75 बेरोजगार ग्रामीण नवयुवकों को रोजगार के लिए मधुमक्खी पालन बाक्स किए गए वितरित

लोकनायक भारत न्यूज

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित घरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में आज शहद का विमोचन किया गया साथ ही मधुमक्खी पालन बॉक्स का वितरण 75 बेरोजगार ग्रामीण नवयुवकों को किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर जगदीश किशोर ने बताया कि जो 75 ग्रामीण नवयुवक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। उन्हीं प्रशिक्षणार्थियों को बॉक्स वितरित किये गये है। उन्होंने बताया कि शहद का ब्रांड बनाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र घरियांव ने बीड़ा उठा लिया है।इस कार्यक्रम में आज के मुख्य अतिथि चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के समन्वयक/निदेशक डॉ अरविंद कुमार सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने कहा की कृषि को बढ़ावा देने के लिए किसानों हेतु कई योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं से किसानों को फायदा भी

हो रहा है। उन्होंने बताया कि योजनाएं चलाने का मुख्य उद्देश्य कुल उत्पादन को बढ़ाने के साथ ही किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी करना है। डॉ सिंह ने कहा कि खेती-बाड़ी के अलावा किसानों को और अधिक लाभ कैसे मिल सके इसके लिए मधुमक्खी पालन योजना चलाई जा रही है। किसान खेती बाड़ी के साथ ही मधुमक्खी पालन कर अपनी आमदनी में बढ़ोतरी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन कम निवेश व्यवसाय उद्यम है और ग्रामीणों के लिए मुख्य आर्थिक गतिविधि है। उन्होंने यह भी बताया कि सहित एक प्राकृतिक एंटीबायोटिक है जो शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पैदा करता है। इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी श्री राम सिंह ने कार्यक्रम की प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में जनपद के उप निदेशक कृषि राम मिलन सिंह परिहार सहित केंद्र के सभी वैज्ञानिक एवं किसान उपस्थित रहे।

विद्यालयों में बने सेंटर में सीसीटीवी निगरानी, नकल विहीन होगी परीक्षाएं

चाटमपुर। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट की परीक्षाओं के लिए विद्यालयों में सेंटर बन रहे हैं। चाटमपुर क्षेत्र में बोर्ड एक्जाम के लिए विद्यालयों में तैयारियां जोरों पर हैं। यहां लगे सीसीटीवी कैमरों के साथ छात्र व छात्राओं के बैठने के लिए फर्नीचर के इंतजाम पूरे किए गए हैं। यहां नकल विहीन परीक्षा के लिए इंतजाम पूरे किए गए हैं। चाटमपुर क्षेत्र स्थित विद्यालयों को बोर्ड एक्जाम के लिए सेंटर बनने की सूचना मिलते ही तैयारियां जोरों पर हैं। लोकनायक भारत न्यूज टीम ने सेंटर की तैयारियों का रियलटी चेक किया। हम चाटमपुर से दस किलोमीटर दूरी पर कानपुर-सागर राज्यमार्ग पर पतारा कस्बा पहुंचे यहां स्थित श्री नेहरू विद्या पीठ इंटर कॉलेज में बोर्ड एक्जाम के लिए सेंटर बनाया गया है। यहां ऑफिस में बैठे विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि हमारे विद्यालय में लगभग दस विद्यालयों से सेंटर आया है। जिसमें हाईस्कूल के 364 व इंटरमीडिएट के 372 छात्र व छात्राएं यहां बोर्ड के पेपर देंगी। जिसके चलते यहां गेट पर कोविड प्रोटोकॉल के तहत सैनिटाइजर करवाकर प्रवेश दिया जाएगा। जिसके बाद छात्र व छात्राएं पेपर देंगे। बताया कि दूसरी पाली के पेपर से पहले यहां फर्नीचर को सैनिटाइज किया जाएगा। वहीं सीसीटीवी कैमरे से लाइव रूम रिकार्डिंग होगी। जो बोर्ड को भेजी जाएगी। बताया कि बोर्ड द्वारा निर्धारित तारीख पर पेपर कराए जाएंगे।

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शनिवार • 5 मार्च • 2022

नवयुवकों को रोजगार हेतु दिये मधुमक्खी पालन बॉक्स

कानपुर। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन संचालित थरियांव कृषि विज्ञान केन्द्र पर मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके 75 ग्रामीण नवयुवकों को स्वरोजगार के लिए मधुमक्खी पालन वॉक्स दिये गये। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ.जगदीश किशोर ने वताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र ने क्षेत्र को शहद का हव वनाने की वीड़ा उठाया है। विवि के समन्वयक/निदेशक प्रसार डॉ.अरविंद कुमार सिंह ने इस अवसर पर कहा कि किसान खेती वाड़ी के अलावा मधुमक्खी पालन कर अतिरिक्त आय कर सकते हैं। उन्होंने मधुमक्खी पालन को कम निवेश में उत्तम व्यवसाय वताया। उन्होंने कहा कि एक प्राकृतिक एंटीवायोटिक होने के कारण शहद की मांग वाजार में हमेशा वनी रहती है। जिला उद्यान अधिकारी राम सिंह ने कार्यक्रम की प्रशंसा की।

Sign in to edit and save changes to this file.

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबर EXPRESS

WORLD
खबर एक्सप्रेस
MID DAY E-PAPER

शुक्रवार, 04-03-2022 अंक-62
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

ग्रामीण नवयुवकों को मधुमक्खी पालन बॉक्स बांटे

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में आज शहद का विमोचन किया गया। साथ ही मधुमक्खी पालन बॉक्स का वितरण 75 ग्रामीण नवयुवकों को किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. जगदीश किशोर ने बताया कि जो नवयुवक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। उन्हीं को बॉक्स वितरित किए गए। उन्होंने बताया कि शहद का हब बनाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र थरियांव ने बीड़ा उठा लिया है। इस कार्यक्रम में आज के मुख्य अतिथि सीएसए के समन्वयक/निदेशक डॉ. अरविंद कुमार सिंह रहे। डॉ. सिंह ने कहा कि खेती-बाड़ी के अलावा किसानों को और अधिक लाभ कैसे मिल सके, इसके लिए मधुमक्खी पालन योजना चलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन कम निवेश का उद्यम है और ग्रामीणों के लिए मुख्य आर्थिक गतिविधि है। इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी श्री राम सिंह, उप निदेशक कृषि राम मिलन सिंह परिहार आदि मौजूद रहे।

नवयुवकों को मधुमक्खी पालन के बॉक्स किए वितरित

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में शहद का विमोचन किया गया साथ ही मधुमक्खी पालन बॉक्स का वितरण 75 बेरोजगार ग्रामीण नवयुवकों को किया गया केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर जगदीश किशोर ने बताया कि जो 75 ग्रामीण नवयुवक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं उन्हीं प्रशिक्षणार्थियों को बॉक्स वितरित किये गए है।

उन्होंने बताया कि शहद का हब बनाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र थरियांव ने बीड़ा उठा लिया है इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के समन्वयक निदेशक डॉ अरविंद कुमार सिंह उपस्थित रहे उन्होंने कहा की कृषि को बढ़ावा देने के लिए किसानों हेतु कई योजनाएं संचालित की जा रही है इन योजनाओं से किसानों को फायदा भी हो रहा है उन्होंने बताया कि योजनाएं चलाने का मुख्य उद्देश्य कुल उत्पादन को बढ़ाने के साथ ही किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी करना है डॉ सिंह ने कहा कि खेती–बाड़ी के अलावा किसानों को और अधिक लाभ कैसे मिल सके इसके लिए मधुमक्खी पालन योजना चलाई जा रही है किसान खेती बाड़ी के साथ ही मधुमक्खी पालन कर अपनी आमदनी में बढ़ोतरी कर सकते हैं उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन कम निवेश व्यवसाय उद्यम है और ग्रामीणों के लिए मुख्य आर्थिक गतिविधि है उन्होंने यह भी बताया कि सहित एक प्राकृतिक एंटीबायोटिक है जो शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पैदा करता है इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी श्री राम सिंह ने कार्यक्रम की प्रशंसा की इस कार्यक्रम में जनपद के उप निदेशक कृषि राम मिलन सिंह परिहार सहित केंद्र के सभी वैज्ञानिक एवं किसान उपस्थित रहे।

आज कानपुर 05/03/2022

नवयुवकों को बांटे ७५ मधुमक्खी पालन के बॉक्स

केवीके ने उठाया शहद का हब बनाने की बीड़ा

ग्रामीण को मधुमक्खी बाक्स बांटते वैज्ञानिक।

कानपुर, 4 मार्च। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में आज 75 ग्रामीण नवयुवकों को मधुमक्खी पालन बॉक्स किये। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. जगदीश किशोर ने बताया कि जो 75 ग्रामीण नवयुवक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। उन्हीं प्रशिक्षणार्थियों को बॉक्स वितरित किये गये है। उन्होंने बताया कि शहद का हब बनाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र थरियांव ने बीड़ा उठा लिया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सीएसए के समन्वयक/निदेशक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने कहाकि कृषि को बढ़ावा देने के लिए किसानों हेतु कई योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं से किसानों को फायदा भी हो रहा है। उन्होंने बताया कि योजनाएं चलाने का मुख्य उद्देश्य कुल उत्पादन को बढ़ाने के साथ ही किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी करना है। डॉ सिंह ने कहा कि खेती-बाड़ी के अलावा किसानों को और अधिक लाभ कैसे मिल सके। इसके लिए मधुमक्खी पालन योजना चलाई जा रही है। किसान खेती बाड़ी के साथ ही मधुमक्खी पालन कर अपनी आमदनी में बढ़ोतरी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन कम निवेश व्यवसाय उद्यम है और ग्रामीणों के लिए मुख्य आर्थिक गतिविधि है। उन्होंने यह भी बताया कि सहित एक प्राकृतिक एंटीबायोटिक है जो शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पैदा करता है। इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी राम सिंह ने कार्यक्रम की प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में जनपद के उप निदेशक कृषि राम मिलन सिंह परिहार सहित केंद्र के सभी वैज्ञानिक एवं किसान उपस्थित रहे।